बुधवार, 7 जुलाई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

रोनाल्डो ने कहा-करियर का अंत तब करूंगा, जब मैं खुद चाहूंगा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

हुमा ने बिना बोले ही खौफ पैदा कर दिया

Page-05

इस बीच एसआईटी पिछले पांच वर्षों में ट्रस्ट की वित्तीय गतिविधियों और ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच करने पर विचार कर रही है। हालांकि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने दावा किया है कि ट्रस्ट का पूरा वित्तीय प्रबंधन पारदर्शी है और सभी लेन-देन नियमानुसार किए गए हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा बदलाव

चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे मंजूर

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर में मिले दान में कथित हेराफेरी के मामले के बीच बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। यह निर्णय सोमवार को मंदिर परिसर स्थित गेस्ट हाउस में हुई ट्रस्ट की उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया। बैठक में अधिकांश ट्रस्टी मौजूद रहे, जबकि चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने इस्तीफों पर चर्चा होने के कारण बैठक में हिस्सा नहीं लिया।बैठक में ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच पर पूरा भरोसा जताया और कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। एसआईटी अब तक इस प्रकरण में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के ठिकानों से नकदी बरामद होने के साथ ही डिलीट किया गया सीसीटीवी फुटेज भी हासिल किया गया है, जिसमें कुछ आरोपी मंदिर परिसर से बाहर जाते समय नकदी छिपाते हुए दिखाई देने का दावा किया गया है। हालांकि अब तक चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, लेकिन दोनों से पूछताछ की जा चुकी है।बैठक से पहले ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि मंदिर में हुई कथित चोरी बेहद दुखद है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने लोगों से इस मामले का राजनीतिकरण न करने की अपील करते हुए विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निष्पक्ष कार्रवाई होगी।इस बीच एसआईटी पिछले पांच वर्षों में ट्रस्ट की वित्तीय गतिविधियों और ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच करने पर विचार कर रही है। हालांकि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने दावा किया है कि ट्रस्ट का पूरा वित्तीय प्रबंधन पारदर्शी है और सभी लेन-देन नियमानुसार किए गए हैं। मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इससे जुड़े कई अहम तथ्य सामने आने की संभावना है।

- **श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए।**
- **दान में कथित हेराफेरी मामले की एसआईटी जांच जारी, आठ आरोपी गिरफ्तार; ट्रस्ट ने निष्पक्ष जांच पर जताया भरोसा।**

अजमेर में बीजेपी नेता के भाई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, बदहवास हालत में मिले

राजस्थान के अजमेर में बीजेपी नेता के भाई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह अजमेर गेगल थाना क्षेत्र के छातड़ी गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में बदहवास हालत में मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान भाजपा नेता और पीह (परबतसर) के पंचायत प्रशासक अमरचंद जाजड़ा के भाई देवकरण जाजड़ा के रूप में हुई है। मौत से पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला गरमा गया है। आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल और पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल, अजमेर एसपी हर्षवर्धन अगरवाला के सुपरविजन में गेगल थाना पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। देवकरण की मौत की जानकारी मिलते ही गांव के लोग और उसके रिश्तेदारों ने सोमवार सुबह अजमेर जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों के मांग थी कि पुलिस हत्या का मामला दर्ज करें। 4 घंटे चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने हत्या और लूट का मामला दर्ज कर लिया। इसके बाद ही परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। मौके पर चार थानों की पुलिस सहित दो डीएसपी तैनात किए गए। पीह के पूर्व सरपंच अमरचंद जाजोड ने कहा मेरे भाई की मौत सामान्य नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। पिछले चार-पांच महीना से देवकरण की हत्या की साजिश रची जा रही थी।

जकार्ता में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

राष्ट्रपति प्राबोवो ने एयरपोर्ट पर किया अभिनंदन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण में इंडोनेशिया पहुँचे। उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एक खास पहल के तहत, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का स्वागत किया। जब पीएम का विमान इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, तो इंडोनेशियाई वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने उनके विमान के साथ उड़ान भरी। पीएम मोदी इंडोनेशिया की तीन दिन की यात्रा पर हैं। जकार्ता पहुँचने के बाद उन्होंने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम देखा। 2018 में इंडोनेशिया की अपनी पहली यात्रा के दौरान, पीएम मोदी ने भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया था। संबंधों के इस स्तर पर पहुँचने के बाद इंडोनेशिया की यह उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। यह यात्रा राष्ट्रपति प्राबोवो की राजकीय यात्रा के बाद हो रही है, जो 26 जनवरी, 2025 को हमारे गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। रवाना होने से पहले दिए बयान में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच सभ्यतागत और लोगों के आपसी संबंध बहुत मजबूत हैं और उनकी यह यात्रा इस बहुआयामी साझेदारी के सभी पहलुओं को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, "इस यात्रा के दौरान, मैं इंडोनेशिया में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलूँगा और राष्ट्रपति प्राबोवो के साथ योग्याकार्ता में प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करूँगा, जो हमारे करीबी सांस्कृतिक संबंधों का एक और शानदार उदाहरण है।

चार मंज़िला इमारत के गिरने से छह लोगों की मौत

मुंबई के मानखुर्द इलाके में एक गैर-कानूनी चार मंज़िला इमारत के गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है और दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। इस घटना ने बिना मंज़ूरी के हो रहे निर्माण और सिविक निगरानी को लेकर नई चिंताएँ पैदा कर दी हैं। यह घटना रविवार रात करीब 8.30 बजे जनता नगर में हनुमान मंदिर के पीछे हुई। भारी बारिश के बीच 'चाल नंबर 5' (जो ज़मीनी मंज़िल के अलावा तीन मंज़िल ऊँची इमारत थी) का एक हिस्सा अचानक ढह गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, दो से तीन रिहायशी घर ढह गए, जिससे कई निवासी मलबे के नीचे दब गए। इमारत गिरने के तुरंत बाद इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं। मुंबई फायर ब्रिगेड (MFB), मुंबई पुलिस, बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) और 108 एम्बुलेंस सेवा के कर्मचारियों ने पूरी रात बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। मलबे से कई लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद अधिकारियों ने इमारत के निर्माण को लेकर आपराधिक जांच शुरू कर दी है। मानखुर्द पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 105 और 3(5) के तहत FIR दर्ज की गई है। पुलिस के मुताबिक, गिरी हुई इमारत अवैध रूप से बनाई गई चार मंजिला इमारत थी। इमारत के मालिक, ठेकेदार, झोपड़ी के मालिक और अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार अन्य लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। जांचकर्ता इस बात की जांच करेंगे कि क्या इमारत ने निर्माण नियमों का उल्लंघन किया था और क्या लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

रक्षा मंत्रालय के पास पहुंचा प्रस्ताव

25% से बढ़ सकता है स्थायी भर्ती का दायरा

देश के अग्निवीरों के सब्र का बांध अब टूटने से पहले ही उन्हें उनकी मनचाही मुराद मिलने वाली है। थल सेना, नौसेना और वायु सेना ने मिलकर सरकार की टेबल पर वो फाइल रख दी है जिसने रक्षा मंत्रालय में खलबली मचा दी है। अब सिर्फ 25% नहीं बल्कि फौज के अंदर अग्निवीरों की पक्की परमानेंट एंट्री होने जा रही है। नेवी ने कहा है हमें 75% अग्नवीर परमानेंट चाहिए। तो आर्मी और एयरफोर्स ने 50% का दावा कर दिया है। साल 2022 में जब अग्निपथ योजना का ऐलान हुआ था तब नियम कड़े थे। तय हुआ था कि 4 साल की सेवा के बाद सिर्फ 25% अग्नवीरों को ही परमानेंट कैडर मिलेगा और बाकी 75% को वापस जाना पड़ेगा। लेकिन अब वक्त बदल चुका है, तजुर्बा बदल चुका है और सेना का मूड भी बदल चुका है। डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स यानी डीएमए की टेबल पर तीनों सेनाओं ने साझा प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव के मुताबिक भारतीय नौसेना ने सबसे बड़ा दांव खेलते हुए मांग की है कि उसके यहां 75% अग्निवीरों को स्थाई नौकरी दी जाए। वहीं भारतीय थल सेना और वायु सेना ने इस कोटे को 25% से बढ़ाकर सीधे 50% यानी दो गुना करने की सिफारिश की है। यानी अब आधे से ज्यादा अग्निवीर फौज में ही रहकर ता उम्र देश की सेवा कर सकेंगे। फौज के इस फैसले के पीछे की वजहों को समझिए। जब सरकार यह योजना लाई थी तब कॉर्पोरेट स्टाइल में बड़े-बड़े दावे किए गए थे। लेकिन आज सेनाओं को खुद आगे आकर इस परमानेंट कोटे को बढ़ाने की जिद क्यों करनी पड़ी? क्योंकि बंद कमरों में नीतियां बनाने वाले लोग भूल गए थे कि फौज कोई कॉर्पोरेट ऑफिस नहीं है।

उग्रवादियों ने काफिले पर हमला किया, असम राइफल्स के दो जवान मारे गए

पुलिस ने बताया कि सोमवार को मणिपुर में संदिग्ध उग्रवादियों ने एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें असम राइफल्स के दो जवान मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला दोपहर करीब 1.30 बजे उखरूल जिले के नुंगशांग खोंग इलाके में हुआ, जब उग्रवादियों ने 40 असम राइफल्स के काफिले पर गोलीबारी की। इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया और हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस घात लगाकर किए गए हमले की निंदा करते हुए, मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदस कोंथौजम ने कहा कि ऐसे हमले हिंसा से प्रभावित राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने की चल रही कोशिशों को कमजोर करते हैं। कोंथौजम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उखरूल के नुंगशांग खोंग में 40 असम राइफल्स के काफिले पर हुए दुर्भाग्यिपूर्ण हमले से मुझे गहरा दुख हुआ है। उन्होंने भरोसा जताया कि सुरक्षा बल दोषियों को सज़ा दिलाने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाएंगे और यह पक्का करेंगे कि उनसे कानून के मुताबिक सख्ती से निपटा जाए। मई 2023 में मैतेई और कुकी-ज़ो समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से ही सुरक्षा बल मणिपुर के संवेदनशील इलाकों में तलाशी और दबदबा बनाए रखने के अभियान चला रहे हैं। इस संघर्ष में 260 से ज़्यादा लोगों की जान गई है और हज़ारों लोग बेघर हुए हैं। शांति बहाल करने की लगातार कोशिशों के बावजूद, यह राज्य के सामने सुरक्षा से जुड़ी सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बना हुआ है।

जकार्ता में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

राष्ट्रपति प्राबोवो ने एयरपोर्ट पर किया अभिनंदन

भारत-इंडोनेशिया संबंधों को नई दिशा, जकार्ता पहुंचे प्रधानमंत्री मोदीजकार्ता में पीएम मोदी का राजकीय स्वागत, रणनीतिक और सांस्कृतिक सहयोग पर रहेगा फोकस

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों के दौरे के पहले चरण में जकार्ता पहुँचे, जहाँ इंडोनेशिया में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका ज़ोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर 6 से 8 जुलाई तक इंडोनेशिया के दौरे पर हैं; राष्ट्रपति खुद हवाई अड्डे पर दूसरे नेताओं के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। भारतीय समुदाय ने "भारत माता की जय" और "मोदी, मोदी" के नारों के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्होंने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम देखा। भारतीय प्रधानमंत्री के जकार्ता पहुँचने से पहले, वहाँ रहने वाले भारतीयों ने उनकी यात्रा पर खुशी ज़ाहिर की। प्रवासी समुदाय के एक सदस्य ने कहा, "यह पहली बार है जब मैं पीएम मोदी को इतने करीब से देखूँगा। मैं बहुत उत्साहित हूँ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जकार्ता एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के स्वागत करने के अंदाज़ से वे बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि वे अलग-अलग क्षेत्रों में इस साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो योग्याकार्ता में प्रम्बानन मंदिर परिसर भी जाएँगे। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जकार्ता पहुँच गया हूँ। एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के स्वागत करने के अंदाज़ से मैं बहुत प्रभावित हुआ। 2018 में हमने अपने रिश्तों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' (Comprehensive Strategic Partnership) के स्तर तक पहुँचाया, जिससे हमारे लोगों को फ़ायदा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और मैं अलग-अलग क्षेत्रों में इस साझेदारी को और गति देने के लिए बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति प्राबोवो और मैं योग्याकार्ता में प्रम्बानन मंदिर परिसर जाएँगे। इससे हमारे देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध और मज़बूत होंगे। इंडोनेशिया में रहने के दौरान, मैं भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने के लिए भी उत्सुक हूँ। आज जकार्ता पहुँचने पर प्रधानमंत्री का ज़ोरदार स्वागत किया गया। इंडोनेशियाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही इंडोनेशियाई वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया, जो एक औपचारिक स्वागत का हिस्सा था। यह हाई-प्रोफाइल दौरा समुद्री पड़ोसी देश की प्रधानमंत्री की चौथी यात्रा है और मई 2018 में रिश्तों को औपचारिक रूप से 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

नरेंद्र मोदी के इंडोनेशिया दौरे पर चीन में खलबली

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया के जिस दौरे पर रवाना हुए उससे चीन में खलबली है। खलबली इसलिए क्योंकि इस दौरे पर इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की डील होगी। इस डील के तहत इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद का आर्डर देगा जो अब भारत में बनती है। इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की डील सिर्फ डिफेंस एक्सपोर्ट के लिहाज से ही नहीं बल्कि कई मायने में खास है। इस डील के साथ इंडोनेशिया तीसरा साउथ ईस्ट एशियाई देश है जो ब्रह्मोस का ऑपरेटर बन जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस जिस तरह पाकिस्तान पर कहर बनकर टूटा था। इसके बाद से ही कई देशों ने ब्रह्मोस की डील या तो फाइनल कर ली या इसके करीब है। इनमें इंडोनेशिया, फिलीपींस, वियतनाम, साइपरस जैसे देश शामिल हैं। पिछले महीने साइपस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइट्स भारत यात्रा पर थे। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा अधिकारियों के साथ नई दिल्ली में बातों मुलाकातों के बाद अचानक ही ब्रह्मोस मिसाइल सुर्खियों में आई। साइपस को ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइलों का कमाल देखने के बाद से ही इसे खरीदने के लिए सौदे का इंतजार था। अब मलेशिया और थाईलैंड ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई। एक बार लॉन्च होने के बाद ब्रह्मोस मिसाइल की गति इतनी भयानक और आक्रामक होती है कि दुश्मन के रेडार और मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए इसे इंटरसेप्ट करना यानी रोकना नामुमकिन के बराबर है। इसे भारत के डीआरडीओ और रूस की एजेंसी एनपीओएम ने मिलकर विकसित किया है। यह दुनिया की सबसे तेज सुपर क्रूज मिसाइलों में से एक है। स्पीड मैग 2.8 यानी आवाज की गति से करीब तीन गुना। इसे जमीन, समुद्र और हवा कहीं से भी ल्च किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में बारिश का कहर 13 लोगों ने गंवाई जान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महाराष्ट्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश जानलेवा साबित हो रही है। पुणे जिले में पिछले दो दिनों के दौरान बारिश से जुड़े अलग-अलग हादसों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने बताया कि पिछले तीन से चार दिनों में बारिश से जुड़े हादसों में पूरे महाराष्ट्र में 13 लोगों की जान जा चुकी है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने राज्य के कई हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पुणे के जिलाधिकारी जितेंद्र डूडी के अनुसार, जिले में सबसे बड़ा हादसा पाटन क्षेत्र में हुए भूस्खलन में हुआ, जहां तीन लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा, पिंपरी-चिंचवड़ के निगड़ी इलाके में रविवार को एक दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, खेड़ तहसील में तेज पानी के बहाव में एक मोटरसाइकिल सवार बह गया। बाद में उसका शव बरामद किया गया। सोमवार तड़के पुणे जिले की मावल तहसील के पाटल गांव में भी भूस्खलन की घटना हुई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। जिला सूचना कार्यालय के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की पांचवीं बटालियन की 30 सदस्यीय टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया, जिसने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव अभियान शुरू किया।

बातचीत नाकाम हुई तो सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक और सख्त बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि हम हर हाल में जीतेंगे। हमारे पास दो ही रास्ते हैं या तो ईरान के साथ समझौता होगा या फिर हम इस काम को पूरा खत्म कर देंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि वह जंग के बजाय समझौता करना ज्यादा पसंद करेंगे। वह नहीं चाहते कि अमेरिकी कार्रवाई से ईरान के 9.1 करोड़ लोगों को कोई नुकसान पहुंचे। ट्रंप ने खुली धमकी भी दी कि अमेरिका चाहे तो सिर्फ एक घंटे के भीतर ईरान के सभी पुलों को तबाह कर सकता है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास ईरान के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा, 'या तो हम समझौता करेंगे या फिर काम पूरा करेंगे। यह काम पूरा करना मुश्किल नहीं होगा।' ट्रंप ने दावा किया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका बहुत कम समय में ईरान के बिजली उत्पादन संयंत्रों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बना सकता है। सैन्य चेतावनी के बावजूद ट्रंप ने कहा कि वह संघर्ष नहीं, बल्कि समझौता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी सैन्य कार्रवाई का असर आम ईरानी नागरिकों पर पड़ेगा और वह ऐसा नहीं चाहते। उन्होंने कहा, 'समझौता करना पसंद करूंगा क्योंकि मैं 9.1 करोड़ लोगों को प्रभावित नहीं करना चाहता।' ट्रंप ने दावा किया कि परमाणु बातचीत के दौरान ईरान ने कुछ रियायतें दी हैं, हालांकि अभी अंतिम समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अब ईरान को उन रियायतों पर कायम रहना होगा। साथ ही ट्रंप ने दोहराया कि किसी भी संभावित समझौते के तहत अमेरिका ईरान के उच्च स्तर तक समृद्ध यूरेनियम के भंडार को हटाने की अनुमति चाहता है। हालांकि ईरान पहले ही इस प्रस्ताव को खारिज कर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों के बीच समझौता होने की संभावना बनी हुई है, लेकिन अभी अंतिम नतीजे को लेकर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की चेतावनी— नियमों से कहीं तेज़ी से आगे बढ़ रही है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव को लेकर दुनिया को आगाह करते हुए कहा है कि यह तकनीक वैश्विक नियमों और निगरानी व्यवस्था से कहीं अधिक तेज गति से आगे बढ़ रही है। स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में आयोजित एआई गवर्नेंस पर पहली वैश्विक सरकारी बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी और साझा वैश्विक नियम नहीं बनाए गए, तो इसके गंभीर सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी परिणाम सामने आ सकते हैं।गुटेरेस ने कहा कि एआई दुनिया की अर्थव्यवस्था, रोजगार, शिक्षा, चुनावी प्रक्रियाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा तक को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि डिजिटल सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करना सभी देशों की साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए। उनके अनुसार, नवाचार आवश्यक है, लेकिन उसके साथ प्रभावी नियमन भी उतना ही जरूरी है।इस दो दिवसीय वैश्विक संवाद में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति-निर्माता भाग ले रहे हैं। बैठक में एआई से जुड़े जोखिमों को कम करने, तकनीक के जिम्मेदार उपयोग और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा हो रही है। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र समर्थित 40 विशेषज्ञों के स्वतंत्र वैज्ञानिक पैनल की प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई, जिसमें एआई के अवसरों और संभावित खतरों का व्यापक आकलन किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खोल सकता है, लेकिन यदि इसके उपयोग के लिए स्पष्ट नियम नहीं बने तो गलत सूचना, साइबर अपराध, चुनावी हस्तक्षेप और रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संकेत दिया है कि अगले वर्ष इस विषय पर विस्तृत वैश्विक रिपोर्ट जारी की जाएगी और न्यूयॉर्क में दूसरी उच्चस्तरीय बैठक आयोजित होगी, ताकि एआई के लिए साझा वैश्विक ढांचा विकसित करने की दिशा में ठोस प्रगति की जा सके।

संपादक की कलम से

देश की अर्थव्यवस्था विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। आधारभूत ढांचे का विस्तार हो रहा है, निवेश बढ़ रहा है और भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसके बावजूद आम नागरिक के सामने सबसे बड़ी चिंता महंगाई बनी हुई है। खाद्य पदार्थों से लेकर रसोई गैस, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन तक, जीवन की लगभग हर आवश्यक वस्तु की कीमत में वृद्धि ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ा दिया है। हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने एक बार फिर महंगाई के मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। रसोई गैस केवल एक ईंधन नहीं, बल्कि हर परिवार की दैनिक जरूरत है। इसकी कीमत बढ़ने का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ता है। विशेष रूप से निम्न आय वर्ग और सीमित आय वाले परिवारों के लिए ऐसी बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन जाती है।महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है जिनकी आय स्थिर रहती है। सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक अक्सर बढ़ती कीमतों के अनुपात में अपनी आय नहीं बढ़ा पाते। परिणामस्वरूप उनकी बचत घटती है और जीवन स्तर प्रभावित होता है। कई परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है।वैश्विक परिस्थितियां भी महंगाई को प्रभावित करती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और प्राकृतिक आपदाएं कीमतों को बढ़ाने में भूमिका निभाती हैं। भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था इन वैश्विक प्रभावों से पूरी तरह अछूती नहीं रह सकती। फिर भी सरकार और नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे आम जनता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।महंगाई पर नियंत्रण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। उत्पादन बढ़ाने, आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, जमाखोरी पर रोक लगाने और कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने की भी आवश्यकता है। साथ ही, वित्तीय अनुशासन और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना होगा। महंगाई किसी भी अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा हो सकती है, लेकिन जब यह आम नागरिक की बुनियादी जरूरतों को प्रभावित करने लगे, तब चिंता स्वाभाविक है। विकास का वास्तविक अर्थ तभी है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और नागरिकों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। इसलिए आर्थिक विकास और मूल्य स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी नीति चुनौती है। एक मजबूत अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल आंकड़ों में वृद्धि नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा पर रवाना

हिंद-प्रशांत से व्यापार तक कई अहम मुद्दों पर रहेगी नजर

भारत अपनी एक्ट ईस्ट और इंडो-पैसिफिक नीति के तहत एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत कर रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की यात्रा पर रवाना हुए हैं। इस दौरे में व्यापार, रक्षा, समुद्री सुरक्षा और निवेश सहयोग को नई दिशा देने पर विशेष जोर रहेगा।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से शुरू हो रही अपनी तीन देशों की महत्वपूर्ण विदेश यात्रा पर रवाना हो गए हैं। इस दौरे के दौरान वह इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की यात्रा करेंगे। केंद्र सरकार का कहना है कि इस दौरे का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भागीदारी को मजबूत करना, व्यापार एवं निवेश बढ़ाना तथा रक्षा, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देना है।यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री इंडोनेशिया में शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर चर्चा होने की संभावना है। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ते सामरिक महत्व को देखते हुए समुद्री सहयोग इस यात्रा का प्रमुख एजेंडा माना जा रहा है।इसके बाद प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे, जहां उनकी मुलाकात ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ से होगी। दोनों नेता व्यापक आर्थिक साझेदारी, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, शिक्षा, रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित कई विषयों पर चर्चा करेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पिछले कुछ वर्षों में रणनीतिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं और दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता तथा मुक्त समुद्री मार्गों के पक्षधर रहे हैं।यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री न्यूज़ीलैंड जाएंगे, जहां व्यापार, कृषि, डेयरी, शिक्षा और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। दोनों देशों के बीच निवेश और आर्थिक सहयोग के नए अवसरों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री की मुलाकात का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।केंद्र सरकार का मानना है कि यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। ऐसे में भारत अपने विश्वसनीय साझेदार देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस यात्रा से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका और प्रभाव को नई मजबूती मिलेगी, साथ ही व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग के नए रास्ते भी खुल सकते हैं।राजनीतिक दृष्टि से भी इस विदेश दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार इसे भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और सक्रिय कूटनीति का प्रतीक बता रही है, जबकि विपक्ष यात्रा के दौरान होने वाले समझौतों और उनके आर्थिक लाभों पर अपनी नजर बनाए हुए है। ऐसे में प्रधानमंत्री की यह तीन देशों की यात्रा केवल कूटनीतिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को उपचुनाव

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की तीन रिक्त राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को उपचुनाव कराने की घोषणा कर दी है। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ ही राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। ये तीनों सीटें तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं। अब सभी प्रमुख राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार नामांकन दाखिल करने, नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापस लेने की प्रक्रिया निर्धारित तिथियों पर पूरी की जाएगी। यदि किसी सीट पर केवल एक प्रत्याशी ही मैदान में रहता है तो उसका निर्विरोध निर्वाचन भी संभव होगा। हालांकि राजनीतिक दलों के रुख को देखते हुए मुकाबला होने की संभावना अधिक मानी जा रही है।पश्चिम बंगाल विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है। इसके बावजूद विपक्ष इस चुनाव को राजनीतिक संदेश देने और अपनी सक्रियता दिखाने का अवसर मान रहा है। भाजपा और अन्य विपक्षी दल भी उम्मीदवारों के चयन और रणनीति को लेकर लगातार मंथन कर रहे हैं।राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि राज्यसभा उपचुनाव केवल रिक्त सीटों को भरने की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि यह दलों की आंतरिक एकजुटता, संगठनात्मक मजबूती और विधायकों के समर्थन की भी परीक्षा होते हैं। हाल के महीनों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में हुए घटनाक्रमों के कारण इन उपचुनावों का महत्व और बढ़ गया है। चुनाव परिणाम आने के बाद राज्यसभा में विभिन्न दलों की संख्या पर भी असर पड़ेगा। यही कारण है कि सभी राजनीतिक दल इस चुनाव को गंभीरता से ले रहे हैं और अपनी-अपनी रणनीति के अनुसार तैयारियों में जुटे हुए हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट की अहम बैठक आज

प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता पर रहेगा फोकस

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

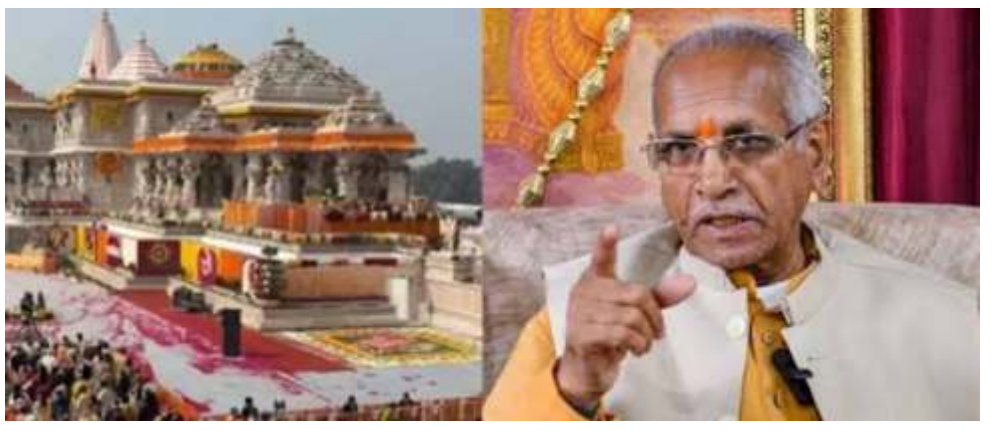

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक पर देशभर की निगाहें टिकी हैं। हाल के दिनों में मंदिर के चढ़ावे और दान राशि के प्रबंधन को लेकर उठे विवादों के बीच यह बैठक विशेष महत्व रखती है। माना जा रहा है कि बैठक में ट्रस्ट की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्था और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही संगठन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए जा सकते हैं।सूत्रों के अनुसार बैठक में ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों, प्रशासनिक पुनर्गठन और वित्तीय प्रबंधन को लेकर नए दिशा-निर्देशों पर विचार किया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत करने के लिए पारदर्शिता बढ़ाने तथा दान राशि के उपयोग से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा होने की संभावना है। हाल ही में दान प्रबंधन को लेकर उठे सवालों के बीच ट्रस्ट पहले ही सभी आरोपों को निराधार बता चुका है।इस बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी की जांच संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि इस विषय से जुड़ा मामला पहले से ही उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। इसके बाद ट्रस्ट की यह बैठक और अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।बैठक में मंदिर परिसर के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा आगामी निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। राजनीतिक दृष्टि से भी इस बैठक को अहम माना जा रहा है। विपक्ष जहां ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इसे पूरी तरह आस्था का विषय बताते हुए राजनीतिक विवाद से अलग रखने की बात कह रही है। ऐसे में बैठक में लिए जाने वाले फैसलों पर राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर नजर रहेगी।

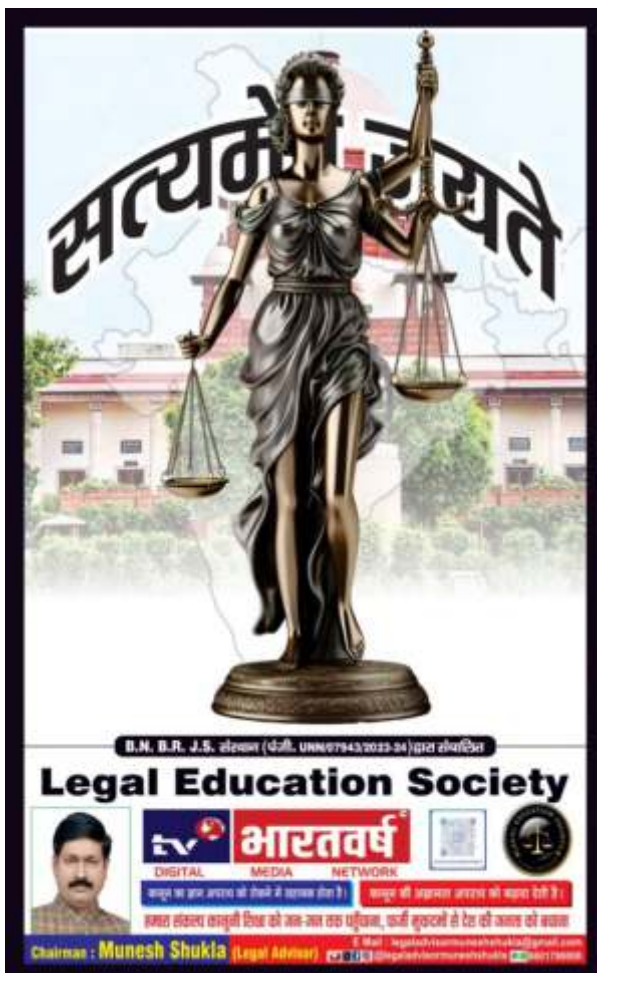

अग्निवीरों को मिल सकती है बड़ी सौगात स्थायी भर्ती का दायरा बढ़ाने पर विचार

अग्निपथ योजना के तहत सेना में परमानेंट अग्निवीरों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। वर्तमान में सिर्फ 25 फीसदी अग्निवीरों को सैन्य सेवाओं में आगे बढ़ाया जाता है। लेकिन अब अग्निवीरों को जल्द ही नई खुशखबरी मिल सकती है। माना जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद अग्निवारों की संख्या 75 फीसदी तक बढ़ाई जा सकती है।

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेहतर प्रदर्शन के बाद अग्निवीरों को ज्यादा समय तक रखने और परमानेंट की संख्या बढ़ाने को लेकर विचार शुरू हुआ था। कई मौकों पर अग्निवीरों ने अलग-अलग इलाकों में हालात को ज्यादा तेजी और प्रभावी ढंग से संभाला था। इसी को देखते हुए इनकी स्थायी संख्या बढ़ाने की जरूरत महसूस हुई ताकि सेनाओं में ज्यादा से ज्यादा युवा सैनिक बने रहें। रिपोर्ट्स की माने तो परमानेंट अग्निवीरों की संख्या बढ़ने को लेकर प्रस्ताव भेजा गया है। नौसेना की तरफ से सबसे अधिक 75% संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं थल सेना और वायु सेना में संख्या 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, अलग-अलग विभागों में यह संख्या अलग-अलग हो सकती है। जैसे-

पैदल सेना और अन्य कॉम्बेक्ट आर्म्स के लिए अग्निवीरों को 70-75% तक रखने पर विचार चल रहा है। एयर डिफेंस, सिगनल्स और इंजीनियर्स जैसे विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मियों के लिए यह आंकड़ा 80% तक हो सकता है।

स्पेशल फोर्सेस के लिए 100% अग्निवीरों को रखने की बात चल रही है। स्पेशल फोर्सेस के लिए चयन उनकी परिवीक्षा अवधि के दौरान ही हो जाता है। हालांकि, अभी इसे लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। अग्निपथ योजना 2022 में शुरू हुई थी और पहला बैच 2026 में कार्यकाल पूरा करेगा। माना जा रहा है कि इसी दौरान संख्या बढ़ाने को लेकर फैसला लिया जा सकता है। उनकी ट्रेनिंग, एक्सपीरियंस और चार साल में हासिल की गई एक्सपर्टीज के आधार पर परमानेंट किया जा सकता है। इसी के साथ अग्निवीरों की वैकेंसी बढ़ने की भी उम्मीद की जा रही है। कुछ रिपोर्ट्स से पता चलता है कि बीते साल में करीब 70 हजार अग्निवीर ट्रेनिंग में शामिल हुए हैं, जिनकी वैकेंसी आने वाले सालों में बढ़कर 90 हजार के पार तक पहुंच सकती है।

अमेरिका में स्प्रिंग इनटेक, एडमिशन एक्सपर्ट से समझें पूरा प्रोसेस

अमेरिका में जिस तरह फॉल इनटेक एडमिशन के लिए पॉपुलर है, वैसे ही स्प्रिंग इनटेक में भी दाखिले के लिए खूब आवेदन किए जाते हैं। ये इनटेक खासतौर पर उन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा है, जो फॉल में एडमिशन लेने से चूक गए या फिर जिनकी पढ़ाई अभी खत्म हुई है और अब वे तुरंत एडमिशन चाहते हैं। स्प्रिंग इनटेक में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए क्लास की शुरुआत जनवरी से होती है।अगर आप भी स्प्रिंग इनटेक में दाखिला लेने वाले हैं, तो इसके बाद आपको खूब सारे पेपरवर्क से जूझना पड़ेगा। ये कई लोगों को कंफ्यूज भी कर देता है। SEVIS, I-20, DS-160 जैसे कई सारे डॉक्यूमेंट्स के बारे में आपको खूब सुनने को मिलेगा, जो कंफ्यूजिंग भी लग सकता है। कई बार स्टूडेंट्स इन डॉक्यूमेंट्स को सही से समझ नहीं पाते हैं और समय पर वीजा आदि के लिए अप्लाई करने से रह जाते हैं। इससे उनका एडमिशन भी खतरे में आ जाता है। एक बार जब आप समझ जाते हैं कि हर डॉक्यूमेंट असल में क्या काम करता है, तो पूरी प्रक्रिया समझ में आने लगती है। यह असल में एक चेन की तरह है, एक डॉक्यूमेंट से अगला डॉक्यूमेंट जुड़ा होता है और हर डॉक्यूमेंट का मकसद अमेरिकी सरकार को कोई खास बात साबित करना होता है। ऐसे में आज हम स्टेप-बाय-स्टेप इस चेन के बारे में जानेंगे, ताकि आपको पता रहे कि किस डॉक्यूमेंट का क्या काम है और कैसे इन्हें लेकर कंफ्यूज होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, अब यहां सवाल उठता है कि अमेरिका में पढ़ाई से जुड़े इतने सारे डॉक्यूमेंट्स की जरूरत क्यों पड़ती है? अमेरिकी सरकार इन डॉक्यूमेंट्स के जरिए क्या समझना चाहती है? सरकार इन सभी दस्तावेजों के जरिए 3 प्रमुख चीजों के बारे में जानना चाहती है।

राहुल द्रविड़ के बेटे ने खेली धमाकेदार पारी

जिम्बाब्वे ने पासा पलटते हुए एक ऐतिहासिक और यादगार जीत दर्ज की

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की हरी और तीखी पिच पर गेंदबाजों का ऐसा खेल देखने को मिला जिसने वनडे क्रिकेट को टेस्ट मैच से भी ज्यादा रोमांचक बना दिया। बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे मैच में जिम्बाब्वे ने पासा पलटते हुए एक ऐसी ऐतिहासिक और यादगार जीत दर्ज की जिसकी स्क्रिप्ट किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं थी। नाहिद राणा की ऐतिहासिक गेंदबाजी (21 रन देकर 6 विकेट) के बावजूद जिम्बाब्वे ने अपने पुछल्ले बल्लेबाजों के जुझारू जज्बे और फिर तेज गेंदबाजों के सामूहिक प्रहार के दम पर महज 141 रनों का बचाव कर लिया। बांग्लादेश की पूरी टीम 116 रनों पर ढेर हो गई और मेजबान टीम ने यह लो स्कोरिंग थ्रिलर 25 रनों से अपने नाम कर लिया।मैच की शुरुआत में बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पिच पर नमी और आसमान में बादलों को देखकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। शुरुआती कुछ ओवरों के बाद यह फैसला तब बिल्कुल सही साबित हुआ जब मरुस्थली तूफान की तरह आए बांग्लादेशी पेसर नाहिद राणा ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को दिन में तारे दिखा दिए। जिम्बाब्वे का स्कोर एक समय बिना किसी नुकसान के 36 रन था लेकिन देखते ही देखते उन्होंने 34 रनों के भीतर अपने 8 विकेट गंवा दिए। राणा की रफ्तार और अतिरिक्त उछाल का जिम्बाब्वे के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने सिकंदर रजा, क्रेग एर्विन जैसे दिग्गजों को समेटते हुए अपने करियर का तीसरा फाइव-विकेट हॉल पूरा किया और अंत में 21 रन देकर 6 विकेट चटकाए, जो वनडे में किसी भी बांग्लादेशी का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। जिम्बाब्वे की टीम 70 रन पर 8 विकेट खोकर 100 के अंदर सिमटने की कगार पर थी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की T20I सीरीज भारतीय टीम का ऐलान

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड दौरे पर है और 5 मैचों की T20I सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के बाद दोनों टीमें ODI सीरीज में आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरा समाप्त करने के बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे पर दोनों के बीच 3 मैचों की T20I सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में BCCI ने जिम्बाब्वे के खिलाफ T20I सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है।दरअसल, भारतीय क्रिकेट टीम की अगली 2 सीरीज को लेकर सिलेक्टर्स ने एक साथ दो बड़े फैसले लिए हैं। एक ओर जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की T20I सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया गया है। वहीं, दूसरी ओर इंग्लैंड के खिलाफ ODI सीरीज से पहले भी टीम में अहम बदलाव किया गया है। सबसे ज्यादा चर्चा युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की है, जिन्हें जिम्बाब्वे दौरे पर भी टीम में बरकरार रखा गया है। अशोक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और यश ठाकुर को पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है। वहीं, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम से

बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। BCCI ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम चुनी है। यह तीन मैचों की T20I सीरीज हरारे में खेली जाएगी। टीम की कमान श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में वैभव सूर्यवंशी के अलावा अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव और प्रभसिमरन सिंह को भी शामिल किया गया है। विकेटकीपर की जिम्मेदारी ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह संभालेंगे।

रोनाल्डो ने कहा-करियर का अंत तब करूंगा, जब मैं खुद चाहूंगा

फीफा विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्पेन से होने वाले अहम मुकाबले से पहले पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। पिछले कुछ समय से यह चर्चा तेज है कि मौजूदा विश्व कप उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है, लेकिन रोनाल्डो ने साफ कर दिया कि संन्यास कब लेना है, इसका फैसला वही करेंगे।स्पेन के खिलाफ मुकाबले की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस वार्ता में 41 वर्षीय रोनाल्डो ने कहा कि उनसे हर बार यही सवाल पूछा जाता है कि क्या यह उनका आखिरी विश्व कप है। उन्होंने कहा कि अभी वह इस बारे में कोई फैसला नहीं करना चाहते और उनका पूरा ध्यान केवल अगले मुकाबले पर है। रोनाल्डो ने कहा, "मैं अपने करियर का अंत तब करूंगा, जब मैं खुद चाहूंगा। फिलहाल मेरा पूरा ध्यानरोनाल्डो ने कहा, "मैं अपने करियर का अंत तब करूंगा, जब मैं खुद चाहूंगा। फिलहाल

मेरा पूरा ध्यान स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने पर है। मैं भविष्य को लेकर अभी कोई घोषणा नहीं करना चाहता।" बता दें कि रोनाल्डो अपने करियर का छठा विश्व कप खेल रहे हैं। वह विश्व फुटबॉल के इतिहास में छह अलग-अलग विश्व कप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन चुके हैं। इस टूर्नामेंट में भी उन्होंने अब तक तीन गोल किए हैं और टीम के लिए अहम भूमिका निभाई है। रोनाल्डो ने कहा कि उन्हें अपने लंबे करियर पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्होंने हमेशा फुटबॉल को जुनून के साथ खेला है, किसी मजबूरी या जरूरत के कारण नहीं। उन्होंने कहा, "मैं पूरी ईमानदारी से कह सकता हूं कि जब भी मेरा करियर खत्म होगा, मैं पूरी संतुष्टि के साथ मैदान छोड़ूंगा। मैंने फुटबॉल को अपना सब कुछ दिया है। मैं आज भी सिर्फ इसलिए खेल रहा हूं क्योंकि मुझे फुटबॉल से प्यार है।"

खेती ने बदली तकदीर

क्यों वियतनाम के किसान हैं अमीर?

जब खेती की बात होती है तो अक्सर लोगों के मन में यही सवाल आता है कि क्या खेती से अच्छी कमाई की जा सकती है? भारत समेत कई देशों में किसान मौसम, बढ़ती लागत और फसलों के कम दाम की वजह से परेशान रहते हैं. लेकिन दूसरी ओर एक ऐसा देश भी है, जहां खेती ने लाखों किसानों की जिंदगी बदल दी. यह देश है वियतनाम. आज वियतनाम के किसान सिर्फ अपने देश के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों के लिए भी अनाज, कॉफी, काजू और काली मिर्च पैदा करते हैं. यही वजह है कि वहां के कई किसानों की आय पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ गई है. हालांकि यह कहना सही नहीं होगा कि वहां का हर किसान अमीर है, लेकिन खेती के बेहतर तरीकों ने बड़ी संख्या में किसानों की आर्थिक स्थिति जरूर मजबूत की है. ⊙

एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर कपल का खतरनाक इश्क

1,454 फीट की ऊंचाई पर प्रपोजल

किसी ने समुद्र किनारे प्रपोज किया, किसी ने बर्फीले पहाड़ों पर. लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी ने 1,454 फीट (443 मीटर) की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे मशहूर इमारतों में से एक की चोटी पर घुटनों के बल बैठकर अपने पार्टनर को शादी के लिए प्रपोज किया हो? सुनने में यह किसी हॉलीवुड फिल्म का सीन लगता है, लेकिन यह हकीकत है. यही वजह है कि इस वक्त सोशल मीडिया पर एक वीडियो करोड़ों लोगों का ध्यान खींच रहा है. वीडियो में एक कपल मौत को मात देता नजर आता है और अगले ही पल प्यार का इजहार करता है. लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती. इस रोमांटिक पल के कुछ ही देर बाद दोनों पुलिस की गिरफ्त में पहुंच जाते हैं. तो आखिर ये कपल कौन है? इन्होंने ऐसा जोखिम क्यों उठाया? और क्या सिर्फ एक प्रपोजल के लिए किसी की जान दांव पर लग सकती है? वीडियो में नजर आने वाले कपल हैं 33 वर्षीय एंजेला निकोलाउ और 32 वर्षीय इवान बीर्कुस (वान्या). अगर आप सोशल मीडिया पर एडवेंचर वीडियो देखते हैं, तो संभव है कि आपने इन दोनों को पहले भी देखा हो. पिछले 10 साल से दोनों दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों, क्रेनों और टावरों पर बिना किसी सेफ्टी हार्नेस के चढ़ते रहे हैं. ⊙

रास्ता चुन लेते हैं. इन दिनों ऐसा ही एक ठगी का मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर कैंसर पीड़ित बनकर लोगों की सहानुभूति हासिल करने वाली मिस्र की लाख रुपये की मदद जुटाई, जबकि उन्हें कभी कैंसर था ही नहीं.

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, डोनिया फौद सोशल मीडिया पर लगातार ऐसे वीडियो शेयर करती थीं, जिनमें वह खुद को को शक होने लगा, जब उनकी महंगी लाइफस्टाइल से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे. डोनिया फौद डोनेशन में मिले पैसों से उन्होंने कार खरीदी, फ्लैट लिया और कई लग्जरी से जुड़ा कोई रिकॉर्ड नहीं मिला. रिपोर्ट में न कीमोथेरेपी का जिक्र था और न ही रेडिएशन का. बताया गया कि डोनिया को सिर्फ कुछ सामान्य स्त्री रोग संबंधी दिक्कतें थीं, जिनका इलाज चल रहा था. ⊙

क मुताबिक घूमना, हर चीज अनुमानित और व्यवस्थित, लेकिन कुछ कमी लगती थी भारत में ट्रैफिक है, प्रदूषण है, शोर है, भीड़ है, अनिश्चितता है... फिर भी यहां कुछ है जो वहां नहीं मिलता. ⊙

'बेबी डू डाई डू' रिव्यू: रिवेंज ड्रामा का 'साइलेंट धमाका'

बिना बोले ही खौफ पैदा कर गई हुमा

शिखर नेगी, आजतक

मुंबई में जब मॉनसून अपनी पूरी रफ्तार में होता है, तो शहर की रफ्तार थम सी जाती है. लेकिन इसी मूसलाधार बारिश और लोकल स्टेशनों की भारी भीड़ के बीच, एक फिल्म चुपचाप सिनेमा के पर्दे पर दस्तक देती है- 'बेबी डू डाई डू'. फिल्म की शुरुआत ही आपको अपनी सीट से बांध देती है, जहां आसमान से गिरती बारिश की बूंदें सड़कों पर शोर मचा रही हैं, लेकिन यह शोर जल्द ही एक अजीब सी घबराहट और सन्नाटे में बदल जाता है. हर तरफ एक जैसे छातों का सैलाब उमड़ा है, मगर मुंबई के एक लोकल रेलवे स्टेशन पर एक लाल रंग का छाता सबका ध्यान खींचता है. यह लाल रंग मानो किसी आने वाले खतरे की घंटी है. इस छाते को थामे हुए महिला के चेहरे पर कोई एक्सप्रेशन नहीं हैं, उसकी नजरें भीड़ में किसी बुजुर्ग को तलाश रही हैं. वह बेहद शातिर तरीके से आगे बढ़ती है, अपने छाते को पोजीशन में लाती है और उसके हैंडल में छिपे ट्रिगर को दबा देती है. बिना किसी आवाज के एक गोली चलती है और खेल खत्म. ⊙

अपनी ठेला चालक को धीरे-धीरे सड़क पर चला रहा है, और उसके साथ पांच आवारा कुत्ते भी उसी ठेले में आराम से बैठे नजर आते हैं. दो कुत्ते आगे की तरफ और बाकी पीछे शांत होकर बैठे हैं, जैसे वे किसी सफर पर नहीं बल्कि अपने परिवार के साथ जा रहे हों. ⊙

हैं. लंबे ऑफिस घंटे, रोजाना साथ काम करना और प्रोफेशनल प्रेशर को समझने वाला साथी मिलने की वजह से कई लोग अपने ही ऑफिस मुताबिक, 65 फीसदी लोगों ने कहा कि 'कंफर्टेबल फील' होना ऑफिस रिलेशनशिप की सबसे बड़ी वजह है. वहीं 61 फीसदी लोगों का कहना फीसदी लोगों ने माना कि ऑफिस रोमांस से काम मजेदार बनता है, यानी ज्यादातर लोगों के लिए भावनात्मक समझ ज्यादा अहम है. ⊙

जिम ने रद्द की 3 साल की मेंबरशिप, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

पसीने की 'गंध' पर छिड़ी जंग

चीन में ज्यादा पसीना और शरीर की गंध के कारण एक शख्स की तीन साल की जिम मेंबरशिप रद्द कर दी गई. जिम के इस फैसले और इंसान की गरिमा बनाम साथी ग्राहकों की सुविधा को लेकर सोशल मीडिया अब दो धड़ों में बंट गया है.

अगर आपने तीन साल की जिम मेंबरशिप ली हो और एक दिन अचानक मैसेज आए कि 'अब आप यहां वर्कआउट नहीं कर सकते', तो आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या होगी? चीन में एक शख्स के साथ ऐसा ही हुआ और वजह जानकर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया. सोचिए, आपने पूरे तीन साल की जिम मेंबरशिप ली हो. रोज एक्सरसाइज करते हों, फिटनेस पर मेहनत कर रहे हों और एक दिन अचानक मोबाइल पर मैसेज आए- अब आप जिम मत आइए. न कोई झगड़ा, न फीस का विवाद और न ही कोई नियम तोड़ने का आरोप. वजह सिर्फ इतनी कि आपके शरीर से आने वाली गंध से दूसरे लोग असहज महसूस कर रहे हैं. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के हांगझोउ शहर में रहने वाले एक शख्स के साथ ऐसा ही हुआ. यह मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की राय दो हिस्सों में बंट गई है. स्थानीय मीडिया के मुताबिक, शी (Shi) नाम के शख्स ने मई 2025 में करीब 6,388 युआन देकर तीन साल की जिम मेंबरशिप खरीदी थी.

उनकी सदस्यता अप्रैल 2028 तक चलनी थी.लेकिन 20 जून को उन्हें जिम की ओर से एक मैसेज मिला. उसमें लिखा था कि काफी सोच-विचार के बाद उनकी सदस्यता खत्म करने का फैसला लिया गया है. साथ ही बची हुई अवधि के पैसे वापस करने की बात भी कही गई.बाद में उन्हें 3,888 युआन लौटाए गए और दूसरे जिम की तीन महीने की मेंबरशिप भी ऑफर की गई. जिम प्रबंधन का कहना है कि कई ग्राहकों ने बार-बार शिकायत की थी कि वर्कआउट के दौरान शी के शरीर से तेज गंध आती है, जिससे उन्हें परेशानी होती है. ⊙

फिटनेस बनाम सुविधा

यह मामला अब सिर्फ एक सदस्य और जिम के बीच का विवाद नहीं रह गया है. इसने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जब किसी एक व्यक्ति की परेशानी और बाकी लोगों की सुविधा आमने-सामने आ जाए, तो सही फैसला क्या होना चाहिए? यही वजह है कि चीन की यह घटना अब दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है. ⊙

कबाड़ से जुगाड़, हर महीने 3 लाख की कमाई

क्या सिर्फ पार्ट टाइम काम करके हर महीने 3 लाख रुपये कमाए जा सकते हैं? सुनने में यह मुश्किल जरूर लगता है, लेकिन ब्रिटेन की रहने वाली 23 साल की स्कारलेट नेशन का दावा है कि वह ऐसा कर रही हैं. खास बात यह है कि इसके लिए वह कोई हाई-प्रोफाइल नौकरी नहीं करतीं, बल्कि पुराने कपड़े खरीदकर उन्हें दोबारा बेचने का काम करती हैं. इस कमाई की वजह से उनके पास पढ़ाई, दोस्तों के साथ घूमने और ट्रैवल करने के लिए भी भरपूर समय बच जाता है. ⊙

समाज को जातियों में न बंटने दें : नितिन नबीन

बैठक कर भाजपा ने तीसरी जीत के लिये बनाई रणनीति

लखनऊ। प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की

■ अपनी मूल विचारधारा को लेकर चले संगठन

मौजूदगी में हुई प्रदेश कोर कमेटी, सांसदों और विधायकों की बैठकों में चुनावी रणनीति, संगठन-सरकार के समन्वय और कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर विस्तार से मंथन हुआ। बैठक में नौकरशाही के व्यवहार को लेकर कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों पर गंभीर चर्चा हुई। तय किया गया कि सरकार और संगठन मिलकर जनता तथा कार्यकर्ताओं से जुड़े लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करेंगे। बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं की बातों को प्राथमिकता देने, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के बीच समन्वय मजबूत करने तथा संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर सहमति बनी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सांसदों और विधायकों को संबोधित करते हुए विपक्ष की रणनीति से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए विपक्ष समाज को जातीय आधार पर बांटने की कोशिश करेगा और भाजपा कार्यकर्ताओं को अपनी मूल विचारधारा से भटकाने का प्रयास करेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सामाजिक विभाजन की राजनीति से बचते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। नितिन नबीन ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं और बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस मजबूत जनाधार को मतदान में पूरी तरह परिवर्तित नहीं किया जा रहा है तो जनता के साथ संवाद को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी सांसदों और विधायकों से नियमित रूप से अपने क्षेत्रों में रहने, विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने और संगठन की प्रत्येक बैठक में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले सात-आठ महीनों तक पूरी ताकत के साथ काम करने पर भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अराजकता, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति से बाहर निकला है तथा कानून व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर भाजपा नेताओं का जमावड़ा

लखनऊ। प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर आए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के सरकारी आवास पर भोजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। भोजन के बाद

■ भोजन के साथ 2027 चुनावी रणनीति पर मंथन

सभी नेताओं ने खाट (चारपाई) पर बैठकर आम का स्वाद लिया और आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की रणनीति पर अनौपचारिक चर्चा की। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह तथा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह सहित संगठन और सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। नेताओं के बीच संगठन को और मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय तथा विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इससे पहले उन्होंने प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और एनडीए के सहयोगी दलों के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकों में चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक मजबूती को लेकर मंथन किया था। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर आयोजित दोपहर के भोजन के बाद नितिन नबीन राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लिए रवाना हो गए।

भाजपा अध्यक्ष ने साहित्यकार को हाथ जोड़े

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लखनऊ में रविवार को साहित्यकार विद्या बिंदु सिंह के आवास पहुंचे। करीब 11.27 बजे पहुंचे तो हाथ जोड़कर देर से पहुंचने की माफी मांगी। उनके साथ यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी थे। दोनों ने साहित्यकारों का स्वागत हाथ जोड़ते हुए स्वीकार किया। इसके बाद सब लोग अंदर गए। वहां कमरे में 12-15 साहित्यकारों-कलाकारों के साथ करीब 20 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान लोकगायिका मालिनी अवस्थी भी वहीं थीं।

नितिन नवीन बोले-हमने कुर्बानी दी, आपने खून की नदियां बहाई- राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल-अखिलेश और अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। रविवार को लखनऊ में उन्होंने कहा- हिंदू विरोधी ताकतें आज राजनीतिक रोटी सेंकना चाहती हैं। लेकिन राहुल-अखिलेश, केजरीवाल हिंदू धर्म को इतना कमजोर मत समझिएगा कि लोग आपके झांसे में आ जाएंगे। राम मंदिर के लिए हमारे पुरखों ने कुर्बानियां तक दी हैं। हमने जितनी कुर्बानी दी है, तुम्हारा खानदान तो कभी सोच नहीं सकता है। आपने तो खून की नदियां बहाई हैं। आपकी विरासत हिंदुओं पर गोलियां चलवाने की रही है। हमारी विरासत अपने देवी-देवताओं के आस्था के लिए कुर्बान होने की रही है। नितिन नवीन लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित शक्ति केंद्र सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव और ब्रजेश ने सीएम योगी की जमकर तारीफ की। केशव ने कार्यकर्ताओं से कहा- योगी जी की तीसरी बार सरकार बनी है। ब्रजेश ने कहा- योगीजी को देखकर माफिया डरते हैं।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के महान आदर्शों से जोड़ने का प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल की विशेष कॉफी टेबल बुक का विमोचन रविवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल में आयोजित शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नितिन नबीन, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र प्रेरणा स्थल देशवासियों को समर्पित किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, उनके विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान से नई पीढ़ी को प्रेरित करने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यसभा सांसद नितिन नबीन तथा अन्य अतिथियों ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल में स्थापित महान विभूतियों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा संग्रहालय का अवलोकन किया। उन्होंने तीनों महापुरुषों की सिलिकॉन प्रतिमाओं, उनके जीवन पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी, आधुनिक संग्रहालय व्यवस्था एवं प्रस्तुतीकरण की सराहना की। अतिथियों ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल की भव्यता और इसकी प्रेरणादायी अवधारणा की प्रशंसा करते हुए इसे नई पीढ़ी के लिए एक महत्वपूर्ण विरासत स्थल बताया। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल की कॉफी टेबल बुक में इस भव्य परिसर को अत्यंत आकर्षक एवं कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसमें ड्रोन से लिए गए विहंगम दृश्य, कमल की आकृति में विकसित परिसर, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था की मनोहारी छवियां तथा संग्रहालय की आधुनिक संरचना को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। उन्होंने बताया कि बसंतकुंज योजना में लगभग 65 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल आज राजधानी के प्रमुख सार्वजनिक एवं प्रेरणादायी स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। यह कॉफी टेबल बुक राष्ट्र प्रेरणा स्थल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी विरासत को देश-विदेश में रहने वाले लोगों तक प्रभावी रूप से पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

नगर के पांच वार्डों में हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण, रात में बढ़ेगी रोशनी और सुरक्षा

उन्नाव। नगर पालिका परिषद उन्नाव ने शहर की प्रकाश व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए शनिवार को नगर के विभिन्न वार्डों में पांच नई हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण किया। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने इन हाईमास्ट लाइटों का उद्घाटन कर उन्हें क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। नई व्यवस्था से रात्रिकालीन आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम होने के साथ ही शहर की सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नगर पालिका परिषद द्वारा हाईमास्ट लाइटें वार्ड संख्या-8 बाबूगंज में सेंट ज्यूड्स स्कूल वाली गली के मोड़, वार्ड संख्या-4 राजेपुर में विशाल मोटर्स के पास, वार्ड संख्या-27 आवास विकास बी-ब्लॉक में मामा कपड़े वाली गली (सिंधु भवन के निकट), तथा वार्ड संख्या-12 शिवनगर में कोयला वाली गली और आईबीपी चैराहे पर स्थापित की गई हैं।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था से जहां नागरिकों को रात के समय आवागमन में सुविधा मिलेगी, वहीं असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा और सुरक्षा का वातावरण मजबूत होगा।

उन्होंने बताया कि नगर में अब तक नौ नई हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण किया जा चुका है। आगामी चरण में शहर के अन्य प्रमुख स्थलों पर

भी हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जाएंगी, जिससे पूरे नगर की प्रकाश व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार के साथ नगर के समग्र विकास को गति मिलेगी।

नई हाईमास्ट लाइटों के शुरू होने पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे जनसुविधा और सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। लोगों ने कहा कि नगर के विभिन्न हिस्सों में हाईमास्ट लाइटों की स्थापना से न केवल अंधेरे वाले क्षेत्रों में रोशनी पहुंचेगी, बल्कि शहर का स्वरूप भी आधुनिक और आकर्षक बनेगा। उन्होंने नगर पालिका परिषद और अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा का आभार व्यक्त करते हुए विकास कार्यों की निरंतरता पर विश्वास जताया।

लोकार्पण कार्यक्रम में आवास विकास के सभासद अशोक सिंह मुन्ना, तकी नगर के सभासद अरफात बेग, आशु सिंह, राजेपुर सभासद प्रतिनिधि मुन्नीलाल सहित विनय, सुनील तिवारी, संजय त्रिवेदी, दीपू मिश्रा, सुशील शुक्ला, सिद्धार्थ, मोहित शुक्ला, शशिकांत तिवारी, राजन, आशीष, दीपू एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों पर ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने का आरोप, छात्र संगठन ने डीएम से कीउच्चस्तरीय जांच की मांग

उन्नाव। सहायक संभागीय परिवहन (एआरटीओ) कार्यालय में कथित रूप से बिना समुचित प्रशिक्षण और फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर बड़ी संख्या में ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जाने के आरोपों को लेकर शनिवार को छात्रसंघ बहाली मोर्चा ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन शुरू किया जाएगा। छात्रसंघ बहाली मोर्चा के फाउंडर चेयरमैन अनस साहू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि एआरटीओ कार्यालय में विभिन्न श्रेणी के ड्राइविंग लाइसेंस बिना निर्धारित प्रशिक्षण प्रक्रिया पूरी कराए और कथित फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर जारी किए जा रहे हैं। संगठन का कहना है कि इससे सड़क सुरक्षा गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है और अनुभवहीन चालकों के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि उन्नाव से कानपुर स्थित विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों तक प्रतिदिन हजारों छात्र बसों, ऑटो और अन्य व्यावसायिक वाहनों से सफर करते हैं। ऐसे में यदि बिना प्रशिक्षित चालकों को लाइसेंस जारी किए जाते हैं तो यात्रियों, विशेषकर छात्रों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।संगठन ने हाल ही में एआरटीओ कार्यालय में तैनात डेटा एंट्री ऑपरेटर शिव सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों का भी उल्लेख किया। ज्ञापन के अनुसार, उन्होंने दावा किया था कि बिना प्रशिक्षण और कथित फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर बड़े पैमाने पर ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए। साथ ही कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों और मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूलों के संचालकों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए थे। संगठन का आरोप है कि जेसीबी, क्रेन, हाइड्रा, रोड रोलर और ई-रिक्शा जैसे वाहनों के प्रशिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था न होने के बावजूद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र जारी कर लाइसेंस बनाए गए। ज्ञापन में वर्ष 2024 में दो प्रशिक्षण स्कूल संचालकों द्वारा निर्धारित मानकों से अधिक प्रारूप-5 प्रमाणपत्र जारी किए जाने के मामले का भी उल्लेख किया गया। संगठन का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने पर उनके लाइसेंस तो निरस्त कर दिए गए, लेकिन पूरे प्रकरण की व्यापक जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। छात्रसंघ बहाली मोर्चा ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित प्रशिक्षण स्कूल संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। संगठन का कहना है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।वहीं, एआरटीओ श्वेता वर्मा ने संगठन द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शासन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप और पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाती है।

पहली ही बारिश में धंसी गंगा एक्सप्रेसवे की एग्जिट रोड, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

उन्नाव । पहली ही तेज बारिश में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए। शनिवार को कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाली गंगा एक्सप्रेसवे की एग्जिट रोड का एक हिस्सा अचानक धंस गया। घटना के बाद क्षेत्र में निर्माण की गुणवत्ता को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। सूचना मिलते ही निर्माण एजेंसी के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया। गंगा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 421.2 पर, सोनिक के पास स्थित एग्जिट रोड का हिस्सा तेज बारिश के दौरान धंस गया। यह मार्ग एक्सप्रेसवे को कानपुर-लखनऊ हाईवे से जोड़ता है। सड़क धंसने से कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा, हालांकि समय रहते मरम्मत कार्य शुरू होने से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। निर्माण एजेंसी ने मौके पर जेसीबी और अन्य मशीनें लगाकर धंसे हुए हिस्से की भराई कराई तथा डामरीकरण का कार्य भी शुरू कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सड़क को पूरी तरह सुरक्षित और सुचारु बना दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले भी गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माणाधीन हिस्से में डामर उखड़ने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब पहली ही बारिश में एग्जिट रोड का धंस जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नए सिरे से सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस महत्वाकांक्षी एक्सप्रेसवे में यदि पहली बारिश में ही इस तरह की खामियां सामने आ रही हैं, तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उनका कहना है कि भविष्य में इस प्रकार की खामियां बड़े हादसों का कारण बन सकती हैं। फिलहाल निर्माण एजेंसी ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत शुरू कर दी है, लेकिन घटना ने एक बार फिर गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

बकरी चराते समय तालाब में डूबा युवक, मौत से परिवार में मचा कोहराम

फतेहपुर चैरासी उन्नाव। तालाब किनारे बकरी चराते समय पैर फिसलने से एक युवक गहरे पानी में डूब गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

नगर पंचायत फतेहपुर चैरासी के मोहल्ला नेहरू नगर निवासी रामबाबू शुक्रवार शाम घर के पास स्थित तालाब के किनारे बकरी चरा रहा था। इसी दौरान एक बकरी तालाब की ओर चली गई। उसे भगाने के प्रयास में रामबाबू का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। तैरना न आने

मंदिर में पूजा कर रहे भाजपा नेता की बेटे ने कुल्हाड़ी से की हत्या, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

जमीन के बंटवारे और पारिवारिक विवाद बना हत्या की वजह, पुलिस ने आलाकत्ल कुल्हाड़ी भी की बरामद

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। औरास थाना क्षेत्र के चमारनखेड़ा मजरा उटरा डकौली गांव में शनिवार शाम रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के हैदराबाद मंडल अध्यक्ष प्रमोद पासी उर्फ रेवती प्रसाद की उनके ही बेटे ने मंदिर में पूजा के दौरान कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है।

शनिवार शाम करीब 7:55 बजे प्रमोद पासी गांव के मंदिर में शनि देव और बरम बाबा की पूजा कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से पहुंचे उनके बड़े बेटे सोनेलाल ने कुल्हाड़ी से सिर और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से प्रमोद पासी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई।

परिजनों के मुताबिक आरोपी सोनेलाल शराब का आदी था और अक्सर परिवार में

मृतक पिता भाजपा कार्यकर्ता रेवती उर्फ प्रमोद

विवाद करता रहता था। उसकी पत्नी से मारपीट को लेकर भी परिवार में तनाव रहता था। बताया गया कि प्रमोद पासी बहू का पक्ष लेते थे, जिससे सोनेलाल नाराज रहता था। इसके अलावा वह अपने पिता पर जमीन का हिस्सा अलग करने और कुछ जमीन बेचकर रुपये देने का लगातार दबाव बना रहा था। पिता के इनकार करने पर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। परिजनों ने बताया कि सोनेलाल चंडीगढ़ में रहकर रैपिडो बाइक टैक्सी चलाता था। करीब दस दिन पहले वह चंडीगढ़ से लौटा था। पहले वह अपनी ससुराल गया और लगभग छह दिन पहले गांव पहुंचा था। गांव आने के बाद से ही वह जमीन के बंटवारे को लेकर परिवार पर दबाव बना रहा था।

घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रमोद पासी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मृतक की पत्नी देशकुमारी की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए थाना औरास पुलिस ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के इनायतपुर बर्रा अंडरपास के पास से आरोपी सोनेलाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली। क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ हर्ष मोदी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। मामले में साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

होमगार्डों को कैशलेस इलाज समेत 21 प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

राजनीतिक दृष्टि से भी यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अगले कुछ महीनों में प्रदेश सरकार कई नई जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने की तैयारी में है। ऐसे में कैबिनेट के फैसलों का सीधा असर लाखों लोगों पर पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश सरकार की सोमवार को होने वाली कैबिनेट बैठक कई महत्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े करीब 21 प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। इनमें सबसे प्रमुख प्रस्ताव प्रदेश के होमगार्ड जवानों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का है। इसके अलावा बुनियादी ढांचे, शहरी विकास, ऊर्जा, परिवहन और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े कई अहम प्रस्ताव भी कैबिनेट के एजेंडे में शामिल हैं।सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रदेश के लाखों होमगार्ड जवानों और उनके आश्रितों को सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर कैशलेस इलाज की सुविधा देने की तैयारी है। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो होमगार्डों को सूचीबद्ध अस्पतालों में बिना नकद भुगतान के इलाज की सुविधा मिलेगी। लंबे समय से होमगार्ड संगठन इस मांग को उठा रहे थे और अब सरकार इस दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है।बैठक में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए बजटीय प्रावधान, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने, नई सड़क एवं पुल परियोजनाओं, नगर निकायों के विकास कार्यों तथा ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े प्रस्तावों पर भी निर्णय लिया जा सकता है। सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं में तेजी लाना और प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल को और मजबूत करना है।इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास विभागों से जुड़े कुछ प्रस्ताव भी कैबिनेट के सामने रखे जाएंगे। कई योजनाओं के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिलने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि जिन परियोजनाओं की मंजूरी लंबे समय से लंबित है, उन पर भी अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।राजनीतिक दृष्टि से भी यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अगले कुछ महीनों में प्रदेश सरकार कई नई जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने की तैयारी में है। ऐसे में कैबिनेट के फैसलों का सीधा असर लाखों लोगों पर पड़ सकता है। विशेष रूप से होमगार्डों के लिए प्रस्तावित कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा को सरकार का बड़ा कल्याणकारी कदम माना जा रहा है। कैबिनेट बैठक के फैसलों पर पूरे प्रदेश की नजर रहेगी। माना जा रहा है कि बैठक के बाद सरकार कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकती है, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ आम लोगों और सरकारी कर्मियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। आने वाले दिनों में इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन की रूपरेखा भी सार्वजनिक की जाएगी।

योगी सरकार ने विभागों को तय समय में काम पूरा करने के निर्देश

उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ-2027 की तैयारियों को लेकर अपनी रफ्तार तेज कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में प्रस्तावित विकास कार्यों और आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से परियोजनाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि महाकुंभ से पहले श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और आयोजन पूरी तरह सुरक्षित एवं व्यवस्थित हो।समीक्षा के दौरान सड़क चौड़ीकरण, नए फ्लाईओवर, घाटों के सौंदर्यीकरण, सीवर और पेयजल व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन तथा अस्थायी आवास जैसी परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, उन्हें तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी न हो।सरकार ने प्रयागराज में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष योजना तैयार की है। महाकुंभ के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए रेलवे, सड़क परिवहन, पुलिस और नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया है। आधुनिक कंट्रोल रूम, सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन सर्विलांस और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। पर्यटन विभाग और संस्कृति विभाग को धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास, स्वच्छता अभियान और शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन क्षमता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर भी है।

योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर दान विवाद पर सपा-कांग्रेस पर तीखा हमला बोला

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राम मंदिर के लिए मिले दान में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया कि वक्फ संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर ज़मीन पर क़ब्ज़े के मामले पर विपक्ष क्यों चुप रहा। प्रतापगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे दूसरे मुद्दों को नज़रअंदाज़ करते हुए चुनिंदा तौर पर हिंदू धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास सिर्फ़ दो ही मुद्दे बचे हैं। आपने देखा होगा कि हाल के दिनों में उन्होंने भारत की सनातन आस्था पर हमला करने की कैसी शरारतपूर्ण कोशिशें की हैं। कांग्रेस दावा करती थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी—जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी ढांचे का समर्थन किया था और उस पर मगरमच्छ के आँसू बहाए थे—वे कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियाँ चलवाईं। उन्हें आस्था के बारे में बात करने का क्या हक़ है—वे लोग जो हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए तय फंड को कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने में खर्च कर देते थे? वे किस तरह की आस्था की बात कर रहे हैं?... यह देश अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के जाल में नहीं फँसेगा।राम मंदिर से जुड़े दान और वित्तीय प्रबंधन के आरोपों को लेकर विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि उस ज़मीन का क्या हुआ जिस पर वक़्फ़ ने क़ब्ज़ा कर लिया है? किसी खास नेता का नाम लिए बिना आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ पार्टियां मंदिर को लेकर विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रही हैं, जबकि करोड़ों भक्तों के लिए इसका बहुत महत्व है। ये टिप्पणियां राम मंदिर से जुड़े चंदे और वित्तीय लेन-देन के आरोपों को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं। इस मुद्दे ने विपक्षी दलों को भाजपा सरकार और मंदिर ट्रस्ट को निशाना बनाने का नया मौका दे दिया है

कानपुर में 4.98 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

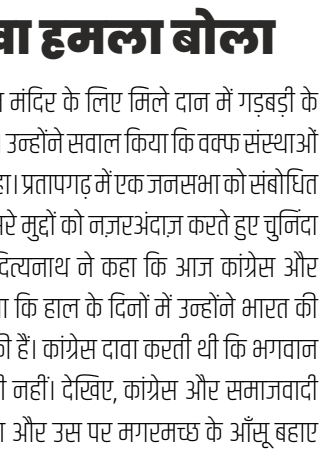

उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने राज्य में हुई एक बड़ी ऑनलाइन ठगी का पर्दाफाश करते हुए करीब 4.98 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का खुलासा किया है। इस मामले में लखनऊ से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश में कई राज्यों में दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह फर्जी निवेश योजनाओं और डिजिटल ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी कर रहा था।जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपियों ने सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों से संपर्क किया। शुरुआत में निवेश पर अधिक मुनाफे का लालच देकर विश्वास जीता गया और बाद में बड़ी रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवाई गई। जब पीड़ितों ने पैसा निकालने की कोशिश की तो उनसे टैक्स, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त रकम भी वसूली गई।साइबर सेल को कई राज्यों से शिकायतें मिलने के बाद जांच शुरू की गई। बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल ट्रांजैक्शन की जांच करते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, लैपटॉप, बैंक दस्तावेज, एटीएम कार्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी पता चला है कि गिरोह ने फर्जी कंपनियों और बैंक खातों का इस्तेमाल कर रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में कई अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। साइबर अपराधियों के नेटवर्क से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है ताकि पूरे गिरोह का खुलासा किया जा सके। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान निवेश योजना या सोशल मीडिया पर मिलने वाले मुनाफे के झांसे में न आएं और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करें।